

# खेल व संगीत में भी कौशल हासिल करें

## आईआईएम नागपुर के दीक्षांत समारोह में एस.एन. सुब्रह्मण्यम ने किया मार्गदर्शन

नागपुर। 24 अप्रैल। लोस सेवा

लार्सन एंड टुनो के सीईओ और प्रबंध निदेशक एस.एन. सुब्रह्मण्यम ने युवा विद्यार्थियों से कहा कि सफलता और असफलता जीवन का एक अविभाज्य हिस्सा है। आत्मनिरीक्षण करें, गलतियों को सुधारने व पाठ्य पुस्तकों के अलावा भी अन्य पुस्तकों को पढ़ने की आदत डालें।

सीखने की प्रक्रिया को जारी रखें। पढ़ाई के साथ ही संगीत व खेल में भी कौशल हासिल करें। अपने लक्ष्य को निर्धारित करें। किसी भी शॉर्टकट का उपयोग नहीं

करें। लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करें।

रविवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान नागपुर (आईआईएम—एन) के चौथे, पांचवें और छठवें बैच का दीक्षांत समारोह संस्थान के मिहान परिसर में किया गया। समारोह में सुब्रह्मण्यम प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। आईआईएम नागपुर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष सी.पी.गुरनानी व आईआईएम नागपुर के निदेशक डॉ. भीमराय मेत्री भी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

समारोह में 424 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। सुब्रह्मण्यम



आईआईएम नागपुर के दीक्षांत समारोह में अंकिता जोशी को डिग्री प्रदान करते मुख्य अतिथि एस.एन. सुब्रह्मण्यम, साथ में डॉ. भीमराय मेत्री।

ने युवाओं को डिजिटल दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा है। साथ ही कहा कि डिजिटल दुनिया की ओर

हम तेजी से बढ़ रहे हैं। यही हमारा भविष्य है। गुरुनानी ने कहा कि विद्यार्थियों के पास उद्योग व कार्पोरेट क्षेत्र में कई

### इन्हें मिला अवॉर्ड

समारोह में वर्ष 2018—20 बैच की छात्रा अंकिता जोशी को बेस्ट स्कॉलरशिप परफार्मेंस अवॉर्ड प्रदान किया गया। वर्ष 2019—21 बैच की इना गुप्ता को भी बेस्ट स्कॉलरशिप परफार्मेंस अवॉर्ड प्रदान किया गया। बेस्ट ऑलराउंडर परफार्मेंस अवॉर्ड वर्ष 2018—20 की बैच के लिए टी.अरुण, 2019—21 बैच के लिए शेख फरीद अहमद को प्रदान किया गया। बेस्ट स्कॉलरशिप अचिवमेंट इंस्टीट्यूट अवॉर्ड डिम्पी खुराना व बेस्ट ऑलराउंडर परफार्मेंस इंस्टीट्यूट अवॉर्ड समुद्रि कोली को प्रदान किया गया। इसके अलावा सौरभ भागवत व चिन्मय मिश्रा, वैष्णवी अरकोट और प्रवृत्ति लोहाजी को भी सम्मानित किया गया।

अवसर हैं। इन अवसरों को मेहनत, लगन व इच्छाशक्ति के दम पर भूना सकते हैं। यदि जिद जारी रखते हैं तो सफलता युवाओं के कदम चूमेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए विद्यार्थियों को पूरी लगन के साथ मेहनत करनी होगी। डॉ. मेत्री ने कामकाज का ब्यौरा प्रस्तुत किया।